वर्ष-1, अंक-7, दिसंबर 2017
जे-7, श्री राम नगर, रायपुर (छ.ग.)

आर.एन.आई. पंजीकरण क्रमांक
CHHHIN/2017/72506

किलोल

संपादक - डा. आलोक शुक्ला
सह-संपादक - एम. सुधीश

संपादक मंडल -
राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा , शेख अजहरुद्दीन

प्यारे बच्चों,

आप सभी को क्रिसमस एवं नव वर्ष की बहुत-बहुत बधाई. हमेशा की तरह यह अंक भी http://alokshukla.com/Books/BookForm.aspx?Mag=Kilol पर नि:शुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है. आप सभी के सहयोग से मैं अभिभूत हूं. किलोल का प्रसार करने में आपके सहयोग के लिये मैं आभारी भी हूं. इस अंक में रघुवंश मिश्रा जी का बहुत सुंदर छत्तीसगढ़ी बालगीत है. चित्र कहानी के अंतर्गत हमने एक नई पहल की है. हिन्दी की कहानी में अंग्रेज़ी के शब्द भी पिरोये गये हैं. कहानी के अंत में अंग्रेज़ी शब्दों का अर्थ दिया गया है, परन्तु हमें विश्वास है कि कहानी पढ़ते समय बच्चे संदर्भ से स्वयं ही अंग्रेज़ी शब्दों का अर्थ समझ जायेंगे. हमे लगता है कि इस प्रकार की कहानी का उपयोग अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के लिये किया जा सकता है. सभी से पुन: अनुरोध है कि किलोल के लिये सामान्य ज्ञान, विज्ञान के खेल, संस्मरण, चुटकुले कहानी और पहेलियां dr.alokshukla@gmail.com पर ई-मेल व्दारा भेजें. बच्चों को प्यार.

आलोक शुक्ला

दर्जी की सीख

लेखक - राजेन्द्र कुमार विश्वकर्मा

एक दिन स्कूल में छुट्टी की घोषणा होने के कारण, एक दर्जी का बेटा, अपने पापा की दुकान पर चला गया. वहाँ जाकर वह बड़े ध्यान से अपने पापा को काम करते हुए देखने लगा. उसने देखा कि उसके पापा कैंची से कपड़े को काटते हैं और कैंची को पैर के पास टांग से दबा कर रख देते हैं. फिर सुई से कपड़े को सीते हैं और सीने के बाद सुई को अपनी टोपी पर लगा लेते हैं. जब उसने इसी क्रिया को चार पांच बार देखा तो उससे रहा नही गया. उसने अपने पापा से पूछा - पापा मै बड़ी देर से देख रहा हूँ कि आप कैंची को पैर के नीचे दबा देते हैं, और सुई टोपी पर लगा लेते हैं, ऐसा क्यों ? उसके पापा ने उत्तर दिया - कैंची काटने का काम करती है जबकि सुई जोड़ने का काम करती है. काटने वाले की जगह हमेशा नीची

होती है और जोड़ने वाले की जगह हमेशा ऊपर होती है. यही कारण है कि मै सुई को टोपी पर लगाता हूँ और कैंची को नीचे रखता हूँ.

❖ कहानी से प्रश्नों के उत्तर लिखिये

प्रश्न 1. दर्जी का बेटा किसकी दुकान पर गया था ?

प्रश्न 2. दर्जी कैची व सुई को कहा रखता था ?

प्रश्न 3. सुई से क्या काम किया जाता है ?

प्रश्न 4. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

प्रश्न 5. कौन सबसे ऊपर होता है ?

लालची कुत्ता

लेखक - पुष्पेंद्र गुप्ता

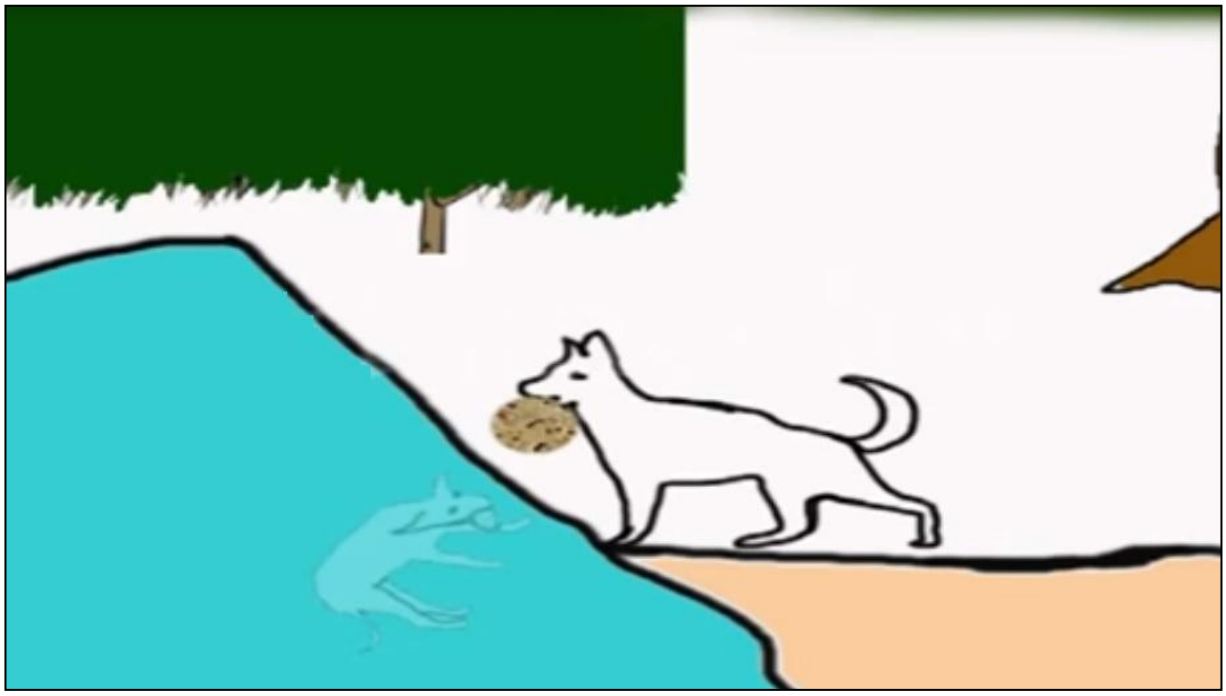

एक कुत्ता कहुत भूखा था. वह भोजन की खोज में एक मकान में गया. वहां उसने एक चपाती देखी. कुत्ते ने चपाती अपने मुंह में दबाई और वहां से भाग लिया. चपाती लेकर वह एक तालाब के किनारे पहुंचा. तालाब के पानी में उसे अपनी परछाई दिखी. परछाई देखकर उसने सोचा कि यह दूसरा कुत्ता है और उसके मुँह में एक और चपाती है. कुत्ता लालची था. उसने सोचा कि मैं इस कुत्ते को डराकर उसकी चपाती छीन लूं. परछाई को डराने के लिये वह अपनी ही परछाई पर भौंकने लगा. भौंकने से उसका मुंह खुल गया और उसकी चपाती तालाब में गिर गई. इस प्रकार लालच के कारण वह अपनी चपाती से हाथ धो बैठा और भूखा ही रह गया. लालच बुरी बला है.

चौदह (14) का पहाड़ा गीत

लेखक - रोहित सलवम, कक्षा- 8वीं, शा.क.मा.शा.कोण्टा, सुकमा

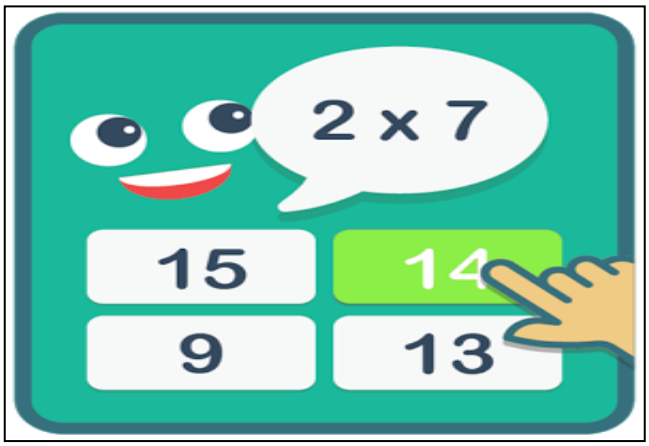

चौदह आदमी आते हैं, झाड़ू पकड़कर जाते हैं।
अट्ठाइस लोहे की ढलाई देखो, देखो जी भिलाई देखो।

बयालीस इन्सान नदी को जाते, मछली पकड़ घर को आते।
छप्पन शेर आते है, शिकार करने जाते हैं।

सत्तर आम के पेड़ उगाते हैं, पेड़ों पर बैठ कर खाते हैं।
चौरासी भालू आते हैं, आलू खाकर जाते हैं।

अन्ठानन्बे बच्चे स्कूल आते, ज्ञान पाकर घर को जाते ।
एक सौ बारह तितली रंगबिरंगी, फूलों के रस से हरी-भरी।

एक सौ छब्बीस आम, सभी करते काम।
एक सौ चालीस कौए उड़ते हैं, उड़-उड़ कर दाना हैं चुगते हैं।।

मदारी आया

लेखक - डोमेन कुमार बढ़ई

मदारी आया गांव मे
बंदर नाचा छांव में

बंदर नाचे छम-छम-छम
हाथी चले धम-धम-धम

हाथी के पीछे ऊँट भी आया
बच्चों का मन बहलाया

सांप लेकर सपेरा आया
सांप का करतब दिखलाया

NATURE TEACHER

Author - Kavita Kori

Hills say up you go
Rivers tell you to flow
Moon says you be cool
Sun teaches you to glow

Earth says please forgive
Soil tells you to serve
Tree teach tolerance
and never to lose your nerve

Ants say, work hard
Flower bring you cheer
Birds say sing a song
O My Dear!

मोर गांव

लेखक - रघुवंश मिश्रा

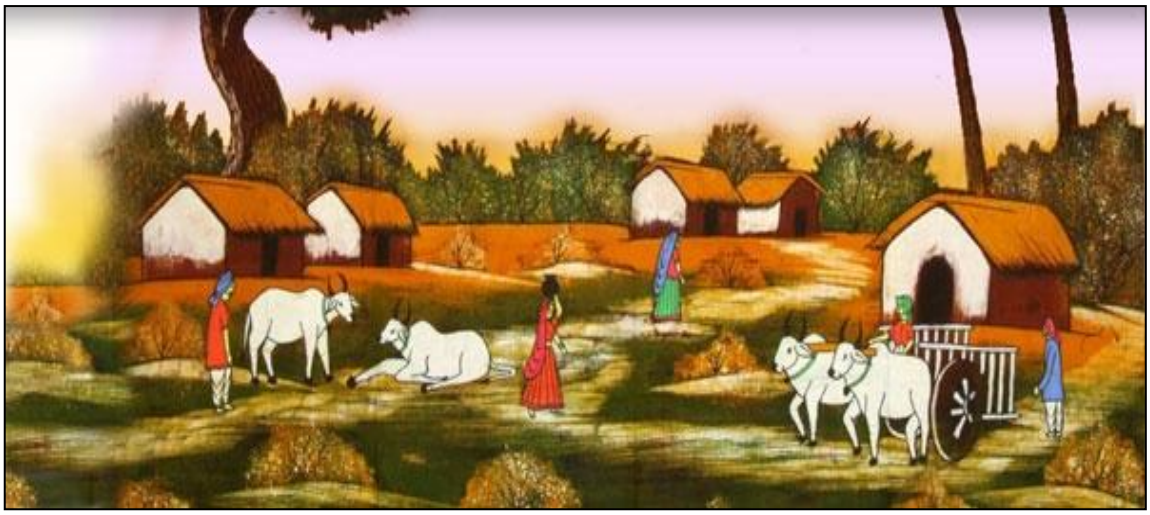

अब्बड़ सुग्घर संगवारी, मोर सईदा गांव हे।
तरिया के पार भर, रूख-राई के छांव हे।।

जम्मो लइका मन इस्कूल जाके, पढ़े-लिखे म मन लगाथे।
अपन जीवन ल संवार के, दाई-ददा के मान बढ़ाथे।।

झगरा-लराई ले दूर रहिके, जुर-मिल सब्बो करथे काम।
संझा-बिहनिया हरि भजन कर, लेथे सब्बो प्रभु के नाम।।

जाति-धरम अउ ऊंच-नीच के, नई हावे इहां भेद-भाव।
एक-दूजे से अब्बड़ मया हे, छल-कपट के है अभाव।।

इहां के माटी में, ममता के छांव हे।
अब्बड़ सुग्घर संगवारी, मोर सईदा गांव हे।।

चित्र देखकर कहानी लिखो

पिछले अंक में हमने यह चित्र दिया था -

इस चित्र पर कविता कोरी जी ने एक बहुत अच्छी कहानी हमें लिख भेजी है. इस कहानी की खास बात यह है कि इसमें अंग्रेज़ी के कुछ शब्दों का प्रयोग किया गया है. कहानी पढ़ते हुए उसका भाव समझने के कारण अंग्रेज़ी के इन शब्दों का अर्थ समझना आसान है. हम समझते हैं कि अंग्रेज़ी भाषा सीखने का यह अच्छा तरीका हो सकता है. आप इसपर अपने विचार अवश्य भेजियेगा. कविता जी ने क्योंकि कहानी को कोई शीर्षक नहीं दिया है इसलिये हम भी बिना शीर्षक ही इसे प्रकाशित कर रहे हैं.

बिना शीर्षक

लेखिका - कविता कोरी

Monkey और Crocodile बहुत अच्छे Friend थे. One day, Monkey ने Crocodile को Lunch पर बुलाया. Crocodile तैयार होकर lunch पर गया. Crocodile को आता देखकर monkey झट से tree पर चढ़कर fruits खाने लगा. उसने Crocodile को भी tree पर बुलाया. बेचारा Crocodile tree पर कैसे चढ़ता? वह भूखे पेट ही अपने Home वापस चला गया. Next day, Crocodile ने Money को dinner पर अपने Home मे बुलाया. जैसे ही Monkey वहां गया, crocodile river में डुबकी लगाकर fish खाने लगा. उसने monkey को भी fish खाने के लिए invite किया. तब monkey को अपनी गलती का अहसास हुआ. उसने crocodile से माफ़ी मांगी. Crocodile ने उससे कहा कि जो अपने मित्र की कमियों का मज़ाक बनाए वह सच्चा मित्र नहीं है.

शब्दार्थ -

Monkey - बंदर, Crocodile - मगर, Friend - मित्र, One - एक, day - दिन, Lunch- दोपहर का भोजन, tree - पेड़, fruits - फल, Home - घर, Next - अगला, dinner - रात का भोजन, river - नदी, fish - मछली, invite - निमंत्रण

अब अगले अंक की चित्र कहानी के लिये चित्र देखों और जल्दी से इसपर एक कहानी लिखकर हमे भेज दो. यह चित्र हमे दीप्ति दीक्षित जी ने बनाकर भेजा है. तुम चाहो तो तुम भी चित्र कहानी के लिये चित्र भेज सकते हो.

<u>अगले अंक की कहानी के लिये चित्र</u>

चित्रकार - दीप्ति दीक्षित

कबाड़ से जुगाड़ - पुरानी सामग्री से पज़ल गेम

लेखक - सूरज कुमार पाल एवं कौशल पाल,शास.प्राथ.शाला गड़रियापारा, लाखासर

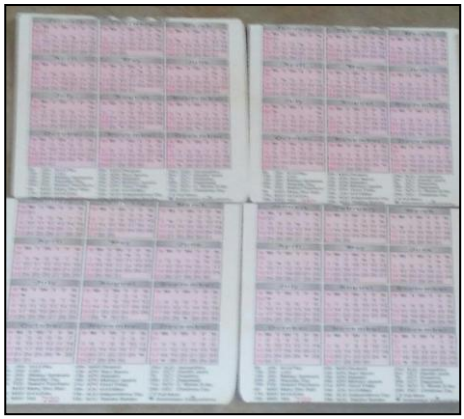

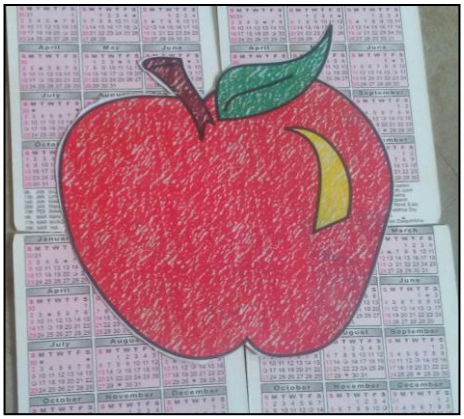

सामग्री :- पुराने कार्ड, कैलेण्डर, पुरानी पुस्तक (चित्रों वाली), गोंद व कैंची.

विधि :- पुराने कार्ड, कैलेण्डर आदि को दिए गए चित्र की तरह साइज़ के अनुसार जमा लें. पुरानी पुस्तकों से बड़े आकार के चित्रों को काटकर अलग कर लें. इन चित्रों को गोंद लगाकर जमाये हुए कार्डों पर चिपका दें. कुछ समय पश्चात् दिए गए चित्र के अनुसार कार्ड को काटकर अलग कर लें. इसी प्रकार अन्य Puzzles का निर्माण भी किया जा सकता है.

विशेष :- कैलेण्डर कार्ड के स्थान पर पुराने ताश के पत्तों व कॉपी के पुठ्ठों का उपयोग भी कर सकते हैं

चुटकुले

संकलनकर्ता - पुष्पा शुक्ला

महिला सेठ जी लाल मिर्च देना

सेठ नौकर से - हरी मिर्च दे जल्दी

महिला - सेठ जी, लाल मिर्च चाहिए

सेठ - हरी मिर्च देना जल्दी

महिला गुस्से में - पागल हो गए हो क्या सेठ, लाल मिर्च मांग रही हूँ लाल

सेठ - बहन जी ठण्ड रखो ठण्ड, लाल मिर्च दूँगा, हरी तो नौकर का नाम है

एक दोस्त दूसरे दोस्त से - तुम बड़े होकर क्या करोगे?

दूसरा दोस्त - जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तब सर्दी मे नहाने के लिए असिस्टेंट रखूँगा उसका काम मेरी जगह नहाना होगा

पप्पू - डेटाल साबुन है ?

दुकानदार -हाँ भाई

पप्पू - अच्छा वाला ?

दुकानदार - हाँ भाई हाँ

पप्पू -ठीक है ....उससे हाथ धोकर एक किलो आटा दे दो

पहेलियां

1. काले वन की रानी है
   लाल पानी पीती है

2. मैं मरुँ मैं कटूं,
   तुम्हें क्यों आँसू आए

3. ऊँट की बैठक, हिरण की चाल,
   बोलो वह कौन है पहलवान

4. हरी डंडी, लाल कमान,
   तौबा, तौबा करे इंसान

5. कल बनता धड़ के बिना,
   मल बनता सिरहीन,
   थोड़ा हूँ गर पैर कटे तो,
   अक्षर केवल तीन।

उत्तर - 1. खटमल, 2. - प्याज, 3. मेंढ़क, 4. मिर्ची, 5. कमल

<u>विज्ञान के खेल - पानी के अंदर जलती मोमबत्ती</u>

यह खेल तुम अपने शिक्षक, माता-पिता अथवा अन्य किसी बड़े व्यक्ति के साथ ही करना, क्योंकि इसमें मोमबत्ती को जलाने से तुम्हे चोट भी लग सकती है. सबसे पहले एक कांच के बर्तन की तली में एक मोमबत्ती को चित्र के अनुसार चिपका दो और बर्तन में पानी भर दो.

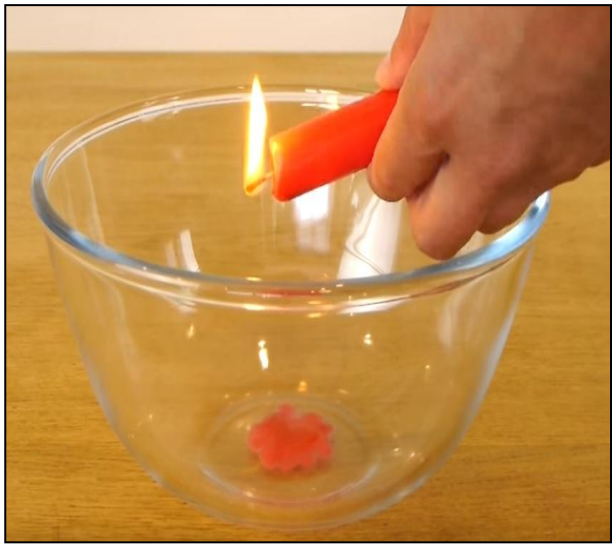

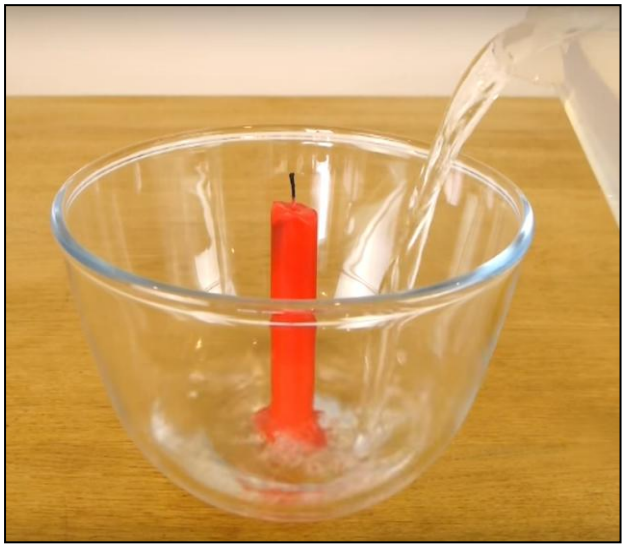

अब मोमबत्ती को जला दो. जलते हुए मोमबत्ती पिघलने लगती है. इस प्रकार मोमबत्ती पानी की सतह तक पिघल जाती है. इसके बाद मोमबत्ती का केवल अंदरूनी भाग पिघलता है. बाहरी भाग पानी के संपर्क में रहने के कारण ठंडा रहता है, और पिघलता नहीं है. यह बाहरी भाग एक खोल के रूप में रह जाता है जो पानी को मोमबत्ती की लौ के संपर्क में नहीं आने देता और लौ पानी की सतह के नीचे हो जाने पर भी मोमबत्ती जलती रहती है.

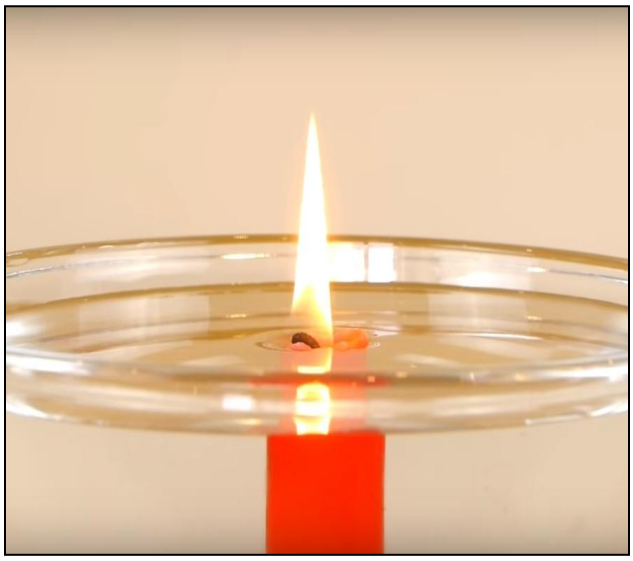

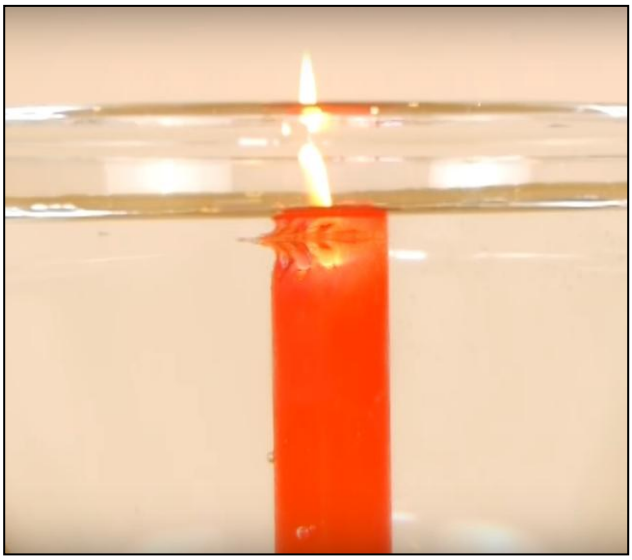

सामान्य ज्ञान - क्रिसमस का त्योहार

क्रिसमस का त्योहार ईसा मसीह के जन्म की खुशी में हर वर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाता है. एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ई.पू. के बीच हुआ था. क्रिसमस पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं, चर्च मे समारोह होते हैं और सजावट की जाती है. इस सजावट में क्रिसमस का पेड़, रंग बिरंगी रोशनियाँ, घंटियां, क्रिसमस स्टार, ईसा मसीह की जन्म के झाँकी आदि शामिल हैं। सांता क्लॉज़ क्रिसमस से जुड़ी एक लोकप्रिय परंतु कल्पित शख्सियत है जिसे अक्सर क्रिसमस पर बच्चों के लिए तोहफे लाने के साथ जोड़ा जाता है. कहते हैं कि सांता क्लाज़ रेन्डियर व्दारा खींची जाने वाली अपनी स्लेज में उत्तरी ध्रुव से आते हैं और क्रिसमस की रात को बच्चों के मोजों में उनके लिये उपहार रख जाते हैं. भारत में भी क्रिसमस का त्योहार हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है. आप सभी को क्रिसमस की बधाई.

वर्ग पहेली

		3 प		4 ख
1 वि	2		ही	न
	5 कू			
6 बे		द		र
7	ट			

संकेत - 1. जिसके पास सोचने की क्षमता न हो 2. काटने का उपकरण
3. मोक्ष 4. झंकार 5. कुंआ 6. एक प्रकार का फल 7. याद करना

हल

		प		ख
वि	चा	र	ही	न
	कू	प		का
बे		द		र
र	ट			